अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि एवम् प्रक्रम

अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

३.१ प्रस्तावना

अनुसंधान कार्य में सही दिशा में अग्रसर होने के लिए आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यावहारिक रूप रेखा इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी भूमिका होती है।

एक अच्छा तथा उपयोगी प्रतिदर्श सम्पूर्ण समष्टि वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है प्रतिदर्श जितने अधिक सुदृढ़ होंगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध वैध तथा विश्वसनीय होंगे। इसके बाद उपकरण तथा चयन प्रविधि महत्वपूर्ण होती है जिसके आधार पर प्रदत्तो का संकलन किया जाता है।

पी.वी. यंक के शब्दों में –

"अनुसंधान एक ऐसी व्यवस्थित विधि है जिसके द्वारा नवीन तथ्यों की खोज तथा प्राचीन तथ्यों कि पुष्टि की जाती है तथा उनके अनुक्रमों, पारस्परिक संबंधों, कारणात्मक व्याख्याओं तथा प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करती है जो कि प्राप्त तथ्यों को निर्धारित करते है।

किसी भी शोध समस्या के परिणाम प्राप्त कर एवम् उनका विश्लेषण तथा व्याख्या करने हेतु एक सफल योजना कि आवश्यकता होती है जो शोधकार्य में सहायक सिद्ध होती है।

शोध कार्य के लिए न्यादर्श का चयन, क्षेत्र का चयन, प्रदत्त के संकलन हेतु उपकरण एवम् प्रदत्त का विश्लेषण किया जाता है।

प्रस्तुत अध्याय में समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति को केन्द्रित किया गया है। यह अध्ययन एक मात्रात्मक रूप से

वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि है। जिसके अंतर्गत प्रदत्त का संकलन सर्वेक्षण विधि के द्वारा किया गया है तथा विश्लेषण आवश्यक अनुमानिक सांख्यिकी का प्रयोग किया जाएगा।

३.२ विधि

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।

३.३ चर

शोध समस्या में निम्न चर है –

१. स्वतंत्र चर २. परतंत्र चर

(१) **स्वतंत्र चर** - प्रबंधन, लिंग, प्रशिक्षण

(२) **परतंत्र चर** - अभिवृत्ति, जागरूकता

३.४ न्यादर्श एवम् जनसंख्या

किसी भी अनुसंधान कार्य में प्रतिदर्श का चुनाव महत्वपूर्ण पहलू होता है। प्रस्तुत अध्ययन में समय सीमा को ध्यान में रखते हुए प्रतिदर्श को आकस्मिक प्रकार से चयनित किया गया है।

जिसके अंतर्गत समष्टि में से अपनी सुविधानुसार प्रतिदर्श का चुनाव किया गया है अर्थात् जो प्राथमिक शिक्षक उपलब्ध थे, उन्हीं से ही अपनी सुविधानुसार सूचना को संग्रहित किया है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा प्रतिदर्श का चयन के लिए शहरी विद्यालय लिए गए है। जिसके अंतर्गत ४ शासकीय एवं ४ अशासकीय विद्यालय लिए गए है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा प्राथमिक शिक्षक को चयनित किया गया है क्योंकि इसी स्तर पर उन्हें बच्चों के प्रति ज्यादा सहानभूति होती है।

जनसंख्या – प्राथमिक शिक्षक

न्यादर्श – प्राथमिक शिक्षक

शासकीय विद्यालय शिक्षकों की संख्या ५०, अशासकीय विद्यालय शिक्षकों की संख्या ५०

३.५ उपकरण

शोध में प्रदत्त का संकलन करने हेतु विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। जिससे प्रदत्त के विश्लेषण तथा व्याख्या करने में सरलता हो। शोधार्थी द्वारा चयनित किया गया उपकरण स्वयं निर्मित है जो कि विश्वसनीय एवम् उद्देश्यपूर्ण है।

समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति की प्रक्रियाओं अध्ययन करने के लिए तथा शोधार्थी के जागरूकता और अभिवृत्ति मापनी को ५ प्वाइंट स्केल से पूर्णत: सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत एवम् पूर्णत: असहमत विकसित किया गया है।

जो पूर्णत: समावेशी शिक्षा पर आधारित है तथा जागरूकता और अभिवृत्ति मापनी कथनों के रूप में इन कथनों का उत्तर प्रथमिक शिक्षकों द्वारा दिया गया है तथा उन्हीं उत्तर के आधार पर शोधार्थी द्वारा प्रदतो का संकलन किया गया है।

समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति को जानने के लिए प्रश्नावली बनाई गई है जिसमें ३० कथन है।

३.६ प्रदत्त का संकलन

प्रद्दतो के संकलन हेतु शोधार्थी सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाध्यापक से मिले तथा उन्हें अपने लघु शोध से अवगत कराया गया।

फिर उन्होंने शोध कि उपयोगिता को समझकर प्रदत्तो के आकलन हेतु अनुमति प्रदान की। प्रधानाध्यापक की अनुमति मिलने के पश्चात् विद्यालय के प्राथमिक शिक्षकों से मिले तथा निम्न निर्देश दिए गए। मुझे आप लोगो से समावेशी शिक्षा के बारे में कुछ जानकारी लेनी है और आपकी निजी जानकारी को पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। अतः आप प्रदत्त के संकलन हेतु सहायता करे। प्रदत्त को विद्यालय के प्राथमिक शिक्षकों से अध्ययन के लिए संग्रहित किया गया है।

३.७ सांख्यिकी विश्लेषण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोध के निम्नलिखित उद्देश्य है :

१. विद्यालय प्रबंध के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन।

२. लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

३. प्रशिक्षण के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

उपरलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शोधार्थी द्वारा काई वर्ग सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग किया गया है।